HINDUSTAN TIMES, LUCKNOW
FRIDAY, JUNE 21, 2013

hindustantimes | metro | 05

IISR, Lanka experts team up for sugarcane research

HT Correspondent
lkoreportersdesk@hindustantimes.com

LUCKNOW: Scientists at the Indian Institute of Sugarcane Research (IISR) here have joined hands with their Sri Lankan counterparts to work together on mutually agreed areas in order to improve the sugarcane and sugar scenario in the island nation.

A high-level Sri Lanka delegation under the chairmanship of their minister Lakhman Senewiratne visited the IISR from June 16 to 20.

An MoU between the two sides was signed on Thursday after a wrap-up discussion between the Sri Lankan minister and Dr S Solomon, director of IISR. A tentative draft of areas of joint collaboration was prepared on which IISR and Sri Lanka will work together.

The mutually agreed areas of joint collaboration include sugarcane varietal improvement programme for high sugar and multiple stress tolerant and climate resilient varieties, as well as energy cane, sugarcane production and management, including crop diversification, soil health management through bio-recycling and water management, sugarcane quality seed production, and bio-intensive sugarcane agriculture.

"Balrampur Chini Mill (Haidergarh unit in Barabanki) will extend technical support in the area of cane processing in sugar mills," said Dr A K Sah, senior scientist at IISR.

Pre and post-harvest management of sugarcane quality for higher recovery, design and development of appropriate machinery such as planters, development of efficient and hygienic jaggery production and storage system and biotechnological interventions are also the part of the agreement.

Specialised training in frontier areas like molecular biology and genomics, bi-lateral exchange programmes for training and consultancy on all aspects of sugarcane cultivation, for the researchers and industry personnel will also form a part of the programme.

During the function, a book on 'Ethephon: Impact on sugarcane physiology and sugar productivity' authored by Radha Jain, S Solomon, Yang-Rui-Li, Amaresh Chandra and A K Shrivastava was also released by Senewiratne.

The minister said that this book was very useful specially with reference to increasing sucrose content during early ripening phase of sugarcane, development of tillers, sprouting of buds and growth of cane under drought condition.

AREAS OF JOINT COLLABORATION

- Sugarcane Varietal Improvement Programme for high-sugar and multiple stress tolerant and climate resilient varieties as well as energy cane
- Sugarcane production and management including crop diversification, soil health management through bio-recycling and water management.
- Sugarcane quality seed production by implementing three-tier seed programme.
- Bio-intensive sugarcane agriculture, including disease/pest management

अमर उजाला लखनऊ | शुक्रवार | 21 जून 2013

गन्ना शोध पर मिलकर काम करेंगे भारत-श्रीलंका

लखनऊ(ब्यूरो)। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर) लखनऊ और श्रीलंका सरकार गन्ना प्रजातियों में सुधार, शुगर रिकवरी बढ़ाने और श्रीलंका में चीनी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए मिलकर शोध कार्य करेंगे। यह सहमति बृहस्पतिवार को श्रीलंका के चीनी उद्योग विकास मंत्री लक्ष्मण सेनाविरत्ने और आईआईएसआर के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन के बीच अंतिम दौर की वार्ता के दौरान बनी। सेनाविरत्ने अपनी पांच दिवसीय यात्रा का समापन कर रहे थे।

आईआईएसआर और श्रीलंका के मंत्री के बीच बनी सहमति

संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ एके साह ने बताया कि सेनाविरत्ने 16 जून को उच्चस्तरीय दल के साथ आईआईएसआर के भ्रमण पर आए थे। उनकी यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत की गन्ना एवं चीनी उत्पादन तकनीकों को श्रीलंका में अपनाकर वहां चीनी उत्पादन बढ़ाना है। चार दिनों तक आईआईएसआर की प्रयोगशालाओं, शोध क्षेत्रों के भ्रमण, वैज्ञानिकों के साथ विचार-विमर्श और चीनी मिलों का दौरा करने के बाद अंतिम वार्ता में कई बिंदुओं पर सहमति बनी।

सहमति के मुख्य बिंदु

- अधिक शुगर रिकवरी और बीमारी रोधक गन्ना प्रजातियों का कार्यक्रम
- क्लाइमेट रेजीलियंट एवं ऊर्जा गन्ना का विकास
- आधुनिक गन्ना उत्पादन एवं प्रबंधन शोध, फसल विविधीकरण, जैव विधि से मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन एवं जल प्रबंधन
- त्रिस्तरीय उच्च गुणवत्ता वाले गन्ना बीज का उत्पादन
- जैविक गन्ना खेती, कीट व बीमारी प्रबंधन
- अधिक चीनी परता के लिए गन्ने का पूर्व एवं कटाई के बाद प्रबंधन
- बुवाई, कटाई एवं पेड़ी प्रबंधन की मशीनों के विकास के लिए शोध एवं परीक्षण
- उच्च गुणवत्ता वाले गुड़ का उत्पादन एवं उसका भंडारण
- बायोटेक्नोलॉजी के प्रयोग से गन्ना एवं चीनी उपज में वृद्धि
- मौलिक्यूलर बायोलॉजी एवं जीनोमिक्स जैसे आधुनिक शोध क्षेत्रों में प्रशिक्षण
- गन्ना उत्पादन, विपणन के लिए वैज्ञानिकों- अधिकारियों का द्विपक्षीय आदान-प्रदान
- चीनी मिलों में गन्ना पेराई तथा चीनी उत्पादन से संबंधित तकनीकी जानकारी के लिए हैदरगढ़ स्थित बलरामपुर चीनी मिल श्रीलंका को सहयोग करेगा।

गन्ने पर पुस्तक का विमोचन

श्रीलंका के चीनी उद्योग मंत्री सेनाविरत्ने ने दौरे के अंतिम दिन वैज्ञानिक राधा जैन, एस सोलोमन, यांग-रु-ली, अमरेश चंद्रा और एके श्रीवास्तव द्वारा लिखित पुस्तक 'इथफ़ेन: इंपेक्ट ऑन शुगरकेन फिजियोलॉजी एंड शुगर प्रोडक्टीविटी' का विमोचन किया।

the pioneer

LUCKNOW FRIDAY | JUNE 21, 2013

IISR bid to improve cane, sugar scenario in SL

PIONEER NEWS SERVICE ■ LUCKNOW

Indian Institute of Sugarcane Research (IISR) and Sri Lanka will work together on mutually agreed areas of joint collaboration in order to improve sugarcane and sugar scenario in Sri Lanka.

This has emerged as final blueprint out of discussion and interaction of Lakhman Senewiratne from Ministry of Sugar Industry Development, Sri Lanka, with IISR director S Solomon On Thursday.

The wrap-up discussion between the minister and Solomon was held and a tentative draft of areas of joint collaboration was prepared in which IISR and Sri Lanka would work together under a pre-decided plan in days to come. The mutually agreed areas of joint collaboration include the Sugarcane Varietal Improvement Programme for high sugar and multiple stress-tolerant and climate-resilient varieties as well as energy cane, sugarcane production and management, including crop diversification, soil health management through bio-recycling and water management.

A book titled 'Ethephon' being released on Thursday

At the end of the discussion, a book titled 'Ethephon' on impact on sugarcane physiology and sugar productivity', authored by Radha Jain, S Solomon, Yang-Rui-Li, Amaresh Chandra and AK Shrivastava, was also unveiled by Senewiratne. He said the book was useful, especially with reference to increasing sucrose content during early ripening phase of sugarcane, development of tillers, sprouting of buds and growth of cane under drought condition.

लखनऊ
डेली न्यूज़
लखनऊ, शुक्रवार, 21 जून 2013 3

आईआईएसआर के साथ श्रीलंका करेगा शोध

- चीनी उद्योग को मजबूत करने के लिए श्रीलंका के मंत्री ने आईआईएसआर निदेशक के साथ किया समझौता
- विकास कार्यों में भी करेंगे सहयोग

लखनऊ (डीएनएन)। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर) और श्रीलंका सरकार भविष्य में साझा शोध और विकास कार्यक्रमों पर कार्य करेंगे। जिससे श्रीलंका के चीनी उद्योग को मजबूती प्रदान कर वहां गन्ना और चीनी उत्पादन बढ़ाया जा सकेगा। इससे जुड़े दूसरे पहलुओं पर भी संस्थान और लंका सरकार एक साथ काम करेंगी। इस बात पर गुरूवार को संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन और श्रीलंका के केन्द्रीय चीनी उद्योग विकास मंत्री श्री लक्ष्मन सेनाविरत्ने के बीच हुई वार्ता के बाद सहमती बनी है। श्रीलंका के मंत्री एक उच्च स्तरीय अधिकारी दल के साथ संस्थान की यात्रा पर आए हुए हैं। जिसका मकसद यहां की तकनीकों को लंका में अपनाकर वहां चीनी उत्पाद बढ़ाना है।

संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एके साह ने बताया कि मेहमानों को संस्थान के प्रयोगशालाओं, शोध प्रक्षेत्रों, वैज्ञानिकों के साथ विचार-विमर्श और चीनी मिलों का भ्रमण कराया गया। मंत्री और संस्थान के बीच बनी सहमति में इन बिंदुओं को शामिल किया गया है। जिसमें अधिक चीनी और गन्ना प्रजाति विकास कार्यक्रम, क्लायमेट रेजीलियंट और ऊर्जा गन्ना का विकास पर सहमति के अलावा आधुनिक गन्ना उत्पादन और प्रबंधन शोध, फसल विविधिकरण और जैव विधि के तहत मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और जल प्रबंधन किया जाएगा। साथ ही त्रिस्तरीय बीज उत्पादन कार्यक्रम से उच्च गुणवत्ता वाले गन्ना बीज उत्पादन, जैविक गन्ना खेती और कीट व बीमारियों का प्रबंधन कराना होगा। बुवाई, कटाई और पेड़ों के प्रबंधन के लिए जरूरी मशीनों का सहारा लिया जाएगा। यही नहीं उच्च गुणवत्ता वाला गुड़ उत्पादन और उसका भंडारन, बायोटेक्नोलॉजी के प्रयोग से गन्ना और चीनी उपज में वृद्धि, क्लायमेट रेजीलियन्ट गन्ना कृषि पद्धति का विकास, मोल्यूकलर बायोलॉजी और जीनोमिक्स जैसे आधुनिक शोध क्षेत्रों में प्रशिक्षण, गन्ना उत्पादन, विपणन के लिए वैज्ञानिकों और उद्योगों के अधिकारियों के लिए द्विपक्षीय आदान-प्रदान कार्यक्रम, चीनी मिलों में गन्ना पेराई और चीनी उत्पादन से संबन्धित तकनीकी जानकारी के लिए हैदरगढ़ स्थित बलरामपुर चीनी मिल श्रीलंका को सहयोग करेगा। उन्होंने बताया कि इन सहमतियों को जल्द ही अमल में लाया जाएगा। इस मौके पर संस्थान के वैज्ञानिकों राधा जैन, एस सोलोमन, यांग-रू-ली, अमरेश चन्द्रा और एके श्रीवास्तव के द्वारा लिखी गई पुस्तक 'इथफोन इमपैक्ट ऑन शुगरकेन फिजियोलॉजी और शुगर प्रोडक्टिविटी' का विमोचन मंत्री सेनाविरत्ने ने किया।

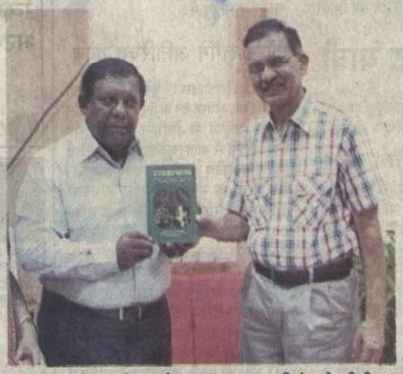

गन्ना अनुसंधान संस्थान के भ्रमण पर आए श्रीलंका के चीनी उद्योग विकास मंत्री लक्ष्मन सेनाविरत्ने पुस्तक का विमोचन करते हुए साथ में संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन

2
जनसंदेश टाइम्स
लखनऊ, शुक्रवार 21 जून 2013

गन्ना विकास के साझा कार्यक्रम पर सहमति

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान व श्री लंका सरकार भविष्य में साझा शोध एवं विकास कार्यक्रमों पर कार्य करेंगे, जिससे श्रीलंका के चीनी उद्योग को मजबूती प्रदान कर वहां गन्ना एवं चीनी उत्पादन बढ़ाया जा सकेगा। श्रीलंका के केंद्रीय चीनी उद्योग विकास मंत्री लक्ष्मन सेनाविरत्ने के चार दिनी भ्रमण के अंतिम दिन गुरुवार को निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन के साथ वार्ता में सहमति बनी। आइआइएसआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार साह ने बताया कि वार्ता में पिछले चार दिनों के अंतर्गत मेहमानों द्वारा संस्थान के प्रयोगशालाओं, शोध प्रक्षेत्रों, वैज्ञानिकों के साथ विचार-विमर्श एवं चीनी मिलों का भ्रमण के बाद उपजे मुख्य बिन्दुओं पर विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा आइआइएसआर एवं श्रीलंका के आपसी सहयोग से कुछ ज्वलंत एवं आवश्यक क्षेत्रों में साझा शोध कार्यक्रम चलाने पर सहमति हुई। प्रमुख रूप से अधिक चीनी एवं बहुउद्देशीय तनाव प्रतिरोधी गन्ना प्रजाति विकास कार्यक्रम, क्लायमेट रेजीलियंट व ऊर्जा गन्ना का विकास, आधुनिक गन्ना उत्पादन एवं प्रबंधन शोध, फसल विविधिकरण, जैव विधि द्वारा मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन व जल प्रबंधन, विपणन के लिए वैज्ञानिकों एवं उद्योगों के अधिकारियों को द्विपक्षीय आदान-प्रदान कार्यक्रम शामिल है। अंत में संस्थान के वैज्ञानिकों राधा जैन, एस सोलोमन, यांग-रू-ली, अमरेश चन्द्रा एवं एके श्रीवास्तव द्वारा लिखित 'इथफोनः इम्पैक्ट ऑन शुगरकेन फिजियोलॉजी एवं शुगर प्रोडक्टीविटी' पुस्तक का विमोचन श्री सेनाविरत्ने ने किया। वसं.

फैसला

'आइआइएसआर व श्रीलंका गन्ना विकास पर होंगे शोध'

कल्पतरु एक्सप्रेस
www.kalptaruexpress.com
लखनऊ, शुक्रवार, 21 जून 2013
9

सहयोग भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के पांच-दिवसीय भ्रमण पर आया था श्रीलंका का दल

आईआईएसआर व श्रीलंका के बीच बना साझा कार्यक्रम

कल्पतरु समाचार सेवा

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर) तथा श्रीलंका सरकार भविष्य में साझा शोध एवं विकास कार्यक्रमों पर कार्य करेंगे। इससे श्रीलंका के चीनी उद्योग को मजबूती देकर वहां गन्ना एवं चीनी उत्पादन बढ़ाया जा सकेगा।

श्रीलंका के केन्द्रीय चीनी उद्योग विकास मंत्री लक्ष्मन सेनाविरत्ने ने गुरुवार को संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन के साथ अन्तिम दौर की वार्ता की। श्रीलंका के मंत्री एक उच्च स्तरीय दल के साथ संस्थान की यात्रा पर आये हुए हैं। श्रीलंका सरकार यहां के गन्ना एवं चीनी उत्पादन तकनीकों को श्रीलंका में अपनाकर वहां चीनी उत्पादन बढ़ाना चाहती है। पिछले चार दिनों में मेहमानों द्वारा संस्थान के प्रयोगशालाओं, शोध प्रक्षेत्रों, वैज्ञानिकों के साथ विचार-विमर्श एवं चीनी मिलों

- चीनी उत्पादन से सम्बंधित तकनीकी जानकारी के लिए बलरामपुर चीनी मिल का मिलेगा श्रीलंका को सहयोग

का भ्रमण करने के उपरान्त उपजे मुख्य बिन्दुओं पर आपसी विचार-विमर्श हुआ।

संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एके साह ने बताया कि चीनी मिलों में गन्ना पेराई तथा चीनी उत्पादन से सम्बंधित तकनीकी जानकारी के लिए हैदरगढ़ स्थित बलरामपुर चीनी मिल भी श्रीलंका को सहयोग प्रदान करेगा। इन सभी बिन्दुओं पर कार्य शुरू करने के लिये आगे प्रस्तावित वार्ता में विचार-विमर्श होगा, जिससे बिना देरी साझा कार्यक्रम पर काम शुरू हो सके। वार्ता के अन्त में संस्थान के वैज्ञानिकों राधा

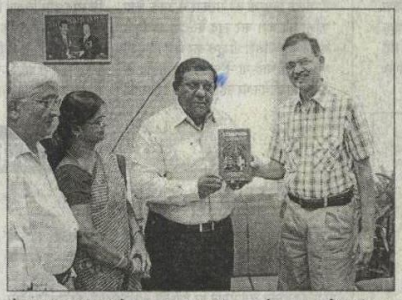

जैन, यांग-रू-ली, अमरेश चन्द्रा एवं एके श्रीवास्तव द्वारा लिखित 'इथफोनः इम्पैक्ट ऑन शुगरकेन फिजियोलॉजी एवं शुगर प्रोडक्टीविटी' पुस्तक का विमोचन श्रीलंका के मंत्री सेनाविरत्ने द्वारा किया गया।

उन्होंने इस पुस्तक को गन्ना में परिपक्वता के समय शुक्रोज की मात्रा बढ़ाने, किल्ले की संख्या बढ़ाने, गन्ना में फ्लावरिंग प्रक्रिया को रोकने में इथफोन रसायन का प्रयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण बताया।

आईआईएसआर, श्रीलंका करेंगे संयुक्त शोध

- अधिक चीनी एवं बहुउद्देशीय तनाव प्रतिरोधी गन्ना प्रजाति विकास कार्यक्रम
- क्लायमेट रेजीलियन्ट एवं ऊर्जा गन्ना का विकास
- आधुनिक गन्ना उत्पादन एवं प्रबंधन शोध, फसल विविधीकरण, जैव विधि द्वारा मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन एवं जल प्रबंधन
- त्रिस्तरीय बीज उत्पादन कार्यक्रम द्वारा उच्च गुणवत्ता युक्त गन्ना बीज उत्पादन
- जैविक गन्ना खेती एवं कीट व बीमारी प्रबंधन
- अधिक चीनी परता के लिए गन्ना का पूर्व एवं कटाई उपरान्त प्रबंधन
- बुवाई, कटाई एवं पेड़ी प्रबंधन के लिए आवश्यक मशीनों के विकास के लिए शोध एवं परीक्षण
- उच्च गुणवत्तायुक्त गुड़ उत्पादन एवं उसका भण्डारण
- बायोटेक्नालॉजी के प्रयोग से गन्ना एवं चीनी उपज में वृद्धि
- क्लायमेट रेजीलियन्ट गन्ना कृषि पद्धति का विकास
- मोलीक्यूलर बायोलॉजी एवं जीनोमिक्स जैसे आधुनिक शोध क्षेत्रों में प्रशिक्षण
- गन्ना उत्पादन, विपणन के लिए वैज्ञानिकों एवं उद्योगों के अधिकारियों के लिए द्विपक्षीय आदान-प्रदान कार्यक्रम

राजधानी
वॉयस ऑफ मूवमेंट
www.voiceofmovement.in
शुक्रवार, 21 जून, 2013

दौरा खत्म श्रीलंका के वैज्ञानिकों का दल पांच दिवसीय दौरे पर राजधानी के गन्ना शोध संस्थान में आया था

गन्ना उत्पादन को लेकर साझा कार्यक्रम पर बनी सहमति

कार्यालय संवाददाता

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान तथा श्री लंका सरकार भविष्य में साझा शोध एवं विकास कार्यक्रमों पर कार्य करेंगे। जिससे श्रीलंका के चीनी उद्योग को मजबूती प्रदान कर वहाँ गन्ना एवं चीनी उत्पादन बढ़ाया जा सकेगा। श्रीलंका के केन्द्रीय चीनी उद्योग विकास मंत्री लक्ष्मन सेनाविरत्ने ने यह बाते अपने दौरे के समापन पर कहीं।

गौरतलब है कि श्रीलंकाई मंत्री के नेतृत्व में वैज्ञानिकों का दल पांच दिवसीय दौरे पर राजधानी के गन्ना

- मैनुअल जांच में होने वाली बेइमानी पर लगेगी रोक

शोध संस्थान में आया था। यह दौरा 16 जून को शुरू हुआ था। भ्रमण के अन्तिम दिन संस्थान के निदेशक डा. सुशील सोलोमन के साथ अन्तिम दौर के वार्ता में इस बाता पर सहमति हुई। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. ए.के. साह ने बताया कि पिछले चार दिनों के अन्तर्गत मेहमानों द्वारा संस्थान के प्रयोगशालाएं, शोध प्रक्षेत्रों, वैज्ञानिकों के साथ विचार-विमर्श एवं चीनी मिलों का भ्रमण किया गया। इस दौरान दोनो पक्षों में कई बिन्दुओं पर आपसी विचार-विमर्श हुआ।

गुरुवार को दौरे के अन्त में संस्थान के वैज्ञानिकों राधा जैन, यांग-रू-ली, अमरेश चन्द्रा एवं एके श्रीवास्तव द्वारा लिखित 'इथफोनः इमपैक्ट ऑन सोलोमन, शुगर केन फिजियोलाजी एवं शुगर प्रोडक्टीविटी' पुस्तक का विमोचन श्री सेनाविरत्ने द्वारा किया गया।

इन बिन्दुओं पर हुआ समझौता

लखनऊ। संस्थान एवं श्रीलंका के आपसी सहयोग से कुछ क्षेत्रों में साझा शोध कार्यक्रम चलाने पर सहमति हुई। चीनी मिलों में गन्ना पेराई तथा चीनी उत्पादन से संबन्धित तकनीकी जानकारी के लिए हैदरगढ़ स्थित बलरामपुर चीनी मिल श्रीलंका को सहयोग करेगा। सभी बिन्दुओं पर कार्य शुरू करने के लिये अगले चरण में विचार-विमर्श होगा।

- अधिक चीनी एवं बहुउद्देशीय तनाव प्रतिरोधी गन्ना प्रजाति विकास कार्यक्रम
- क्लायमेट रेजीलियन्ट एवं ऊर्जा गन्ना का विकास
- आधुनिक गन्ना उत्पादन एवं प्रबंधन शोध, फसल विविधिकरण, जैव विधि द्वारा मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन एवं जल प्रबंधन
- त्रिस्तरीय बीज उत्पादन कार्यक्रम द्वारा उच्च गुणवत्ता युक्त गन्ना बीज उत्पादन
- जैविक गन्ना खेती एवं कीट व बीमारी प्रबंधन
- अधिक चीनी परता के लिए गन्ना का पूर्व एवं कटाई उपरान्त प्रबंधन
- बुवाई, कटाई एवं पेड़ी प्रबंधन के लिए आवश्यक मशीनों के विकास के लिए शोध एवं परिक्षण
- उच्च गुणवत्ता युक्त गुड़ उत्पादन एवं उसका भण्डारण
- बायोटेक्नोलॉजी के प्रयोग से गन्ना एवं चीनी उपज में वृद्धि
- क्लायमेट रेजीलियन्ट गन्ना कृषि पद्धति का विकास
- मोल्यूकलर बायोलॉजी एवं जीनोमिक्स जैसे आधुनिक शोध क्षेत्रों में प्रशिक्षण
- गन्ना उत्पादन, विपणन के लिए वैज्ञानिकों एवं उद्योगों के अधिकारियों के लिए द्विपक्षीय आदान-प्रदान कार्यक्रम।

14 दैनिक जागरण लखनऊ, 21 जून 2013

गन्ना उत्पादन कार्यक्रम पर सहमति

लखनऊ : श्रीलंका सरकार का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल गन्ना एवं चीनी उत्पादन को साझा कार्यक्रम पर सहमति जताने के बाद स्वदेश वापस लौट गया। श्रीलंका के केंद्रीय चीनी उद्योग मंत्री लक्ष्मण सेनाविरत्ने के नेतृत्व में 16 जून को लखनऊ पहुंचे उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने गन्ना अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों से कई दौर की वार्ता व पूर्वांचल में गन्ने की खेती व चीनी मिलों का स्थलीय निरीक्षण भी किया। कुशीनगर, रोजा व हैदरगढ़ का भ्रमण करने के बाद लौटे श्रीलंकाई मंत्री सेनाविरत्ने ने गुरुवार को भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. सुनील सोलोमन व अधिकारियों से बैठक की। उन्होंने बताया कि गन्ना उत्पादन के साझा कार्यक्रम पर सहमति बनी है। भारतीय गन्ना एवं चीनी उद्योग से श्रीलंका में उत्पादन बढ़ाने की सीख ली जाएगी। संयुक्त शोध कार्यक्रम बना कर नई संभावनाएं भी तलाशी जाएगी।

09 लखनऊ • शुक्रवार • 21 जून 2013 हिन्दुस्तान

श्रीलंका को चीनी उत्पादन में मदद

लखनऊ। श्रीलंका में चीनी उत्पादन बढ़ाने के लिए भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान(आईआईएसआर) और श्रीलंका सरकार के उच्चाधिकारियों की ओर से गुरुवार को फैसला लिया गया। संस्थान व श्रीलंका सरकार गन्ने के उत्पादन पर अब मिलकर शोध करेंगे।

श्रीलंका के केंद्रीय चीनी उद्योग विकास मंत्री लक्ष्मण सेनाविरत्ने और संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने इस बावत साझा कार्यक्रम तय किए। इसमें गन्ना उत्पादन एवं प्रबंधन शोध, फसल विविधिकरण, जैव विधि से मृदा स्वास्थ्य सुधारने और जल प्रबंधन को भी शामिल किया गया है। उच्च गुणवत्ता युक्त गन्ने के बीज का उत्पादन, जैविक गन्ना खेती व कीट प्रबंधन, अधिक उत्पादन के लिए गन्ने की कटाई प्रबंधन, मशीनों से बुवाई व पेड़ी प्रबंधन और उच्च गुणवत्तायुक्त गुड़ का उत्पादन व भण्डारण पर भी विचार-विमर्श किया गया। निसं

दून ● वाराणसी से प्रकाशित

लखनऊ। शुक्रवार ● 21 जून ● 2013

www.samaylive.com

राष्ट्रीय सहारा

सच कहने की हिम्मत

राष्ट्रीयता ● कर्त्तव्य ● समर्पण

श्रीलंका अपनाएगा भारतीय गन्ना अनुसंधान परिषद की तकनीक

■ चीनी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए साझा कार्यक्रम चलाएगा श्रीलंका

लखनऊ (एसएनबी)। श्रीलंका अपने चीनी उद्योग को मजबूती प्रदान करने व गन्ना व चीनी उत्पादन बढ़ाने के लिए भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ के साथ साझा कार्यक्रम चलाएगा। इस बात की सहमति श्रीलंका के केन्द्रीय चीनी उद्योग विकास मंत्री लक्ष्मण सेनाविरत्ने का संस्थान के भ्रमण के दौरान बृहस्पतिवार को संस्थान के निदेशक डा. सुशील सोलोमन के साथ वार्ता के बाद बनी है।

संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. एके साह ने बताया कि श्रीलंका के केन्द्रीय मंत्री एक उच्च स्तरीय अधिकारी दल के साथ संस्थान की यात्रा पर 16 जून को आये थे। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य यहां के गन्ना एवं चीनी उत्पादन तकनीकों को श्रीलंका में अपनाकर वहां चीनी उत्पादन बढ़ाना है। पिछले चार दिनों के अन्तर्गत श्रीलंका के दल की ओर से संस्थान के प्रयोगशालाओं, शोध प्रक्षेत्रों, वैज्ञानिकों के साथ विचार-विमर्श एवं चीनी मिलों का भ्रमण करने के उपरान्त आये मुख्य बिन्दुओं पर आपसी विचार-विमर्श हुआ। श्रीलंका व संस्थान की सहमाति के बाद जो बिन्दु तय किये गये हैं, उनमें प्रमुख रूख से अधिक चीनी एवं बहुउद्देशीय तनाव प्रतिरोधी गन्ना प्रजाति विकास कार्यक्रम चलाना है। इसके साथ ही क्लायमेट रेजीलिएण्ट एवं ऊर्जा गन्ना का विकास, आधुनिक गन्ना उत्पादन एवं प्रबन्ध शोध, फसल विविधीकरण, जैव विधि द्वारा मृदा स्वास्थ्य प्रबन्धन एवं जल प्रबन्धन, त्रिस्तरीय बीज उत्पादन कार्यक्रम द्वारा उच्च गुणवत्तायुक्त गन्ना बीज उत्पादन, जैविक गन्ना खेती एवं कीट व बीमारी प्रबन्धक, अधिक चीनी परता के लिए गन्ना का पूर्व एवं कटाई के बाद प्रबन्धन, बुआई, कटाई व पेड़ी प्रबन्धन के लिए आवश्यक मशीनों के विकास के लिए शोध एवं प्रशिक्षण, उच्च गुणवत्तायुक्त गुड़ उत्पादन एवं उसका भण्डारण, बायोटेक्नालॉजी के प्रयोग से गन्ना एवं चीनी उपज में वृद्धि, मोल्यूकलर बायोलॉजी एवं जीनोमिक्स जैसे आधुनिक शोध क्षेत्रों में प्रशिक्षण तथा गन्ना उत्पादन पर कार्यक्रम चलाये जाएंगे। इसके साथ ही विपणन के लिए वैज्ञानिकों एवं उद्योगों के अधिकारियों के लिए द्विपक्षीय आदान-प्रदान कार्यक्रम चीनी मिलों में गन्ना पेराई तथा चीनी उत्पादन से सम्बन्धित तकनीकी जानकारी के लिए हैदरगढ़ स्थित बलरामपुर चीनी मिल श्रीलंका का सहयोग करेगा। सभी बिन्दुओं पर कार्य शुरू करने के लिए आगे प्रस्तावित वार्ता में विचार-विमर्श होगा। अंत में संस्थान के वैज्ञानिकों राधा जैन, एस. सोलोमन, यांग-रू-ली, अमरेश चन्द्रा एवं एके श्रीवास्तव की ओर से लिखित पुस्तक 'इथफोन इम्पैक्ट ऑन शुगरकेन फिजियोलॉजी एवं शुगर प्रोडक्टीविटी' का विमोचन भी किया।